# अत्यंत गोपनीय केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

**अंक-योजना 2026-27**

**विषय हिंदी (ऐच्छिक)**

**कक्षा – ग्यारहवीं**

**विषय कोड संख्या -523**

**सामान्य निर्देश :-**

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उतरों को समझे, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए।
3. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं। ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं। यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए।
4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उतर पर गलत का (×) मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए।
5. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायी ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायाँ और के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उन्हें ही स्वीकार करे, उन्हीं पर अंक है।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
10. ये सुनिश्चित करें कि उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण के अंकों के साथ मिलान हो।
11. आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग जाँच लें ।
12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

# अंकन-योजना
# विषय हिंदी (ऐच्छिक) आदर्श प्रश्न - पत्र 2026-27

**विषय कोड संख्या -523**

कक्षा : ग्यारहवीं अधिकतम अंक 80

**सामान्य निर्देश :-**

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2. वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है बल्कि ये सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं।
3. यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर है, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
4. मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

| **प्रश्न संख्या** | **प्रश्न उपभाग** | **उत्तर संकेत/ मुख्य बिंदु** | **निर्धारित अंक विभाजन** |
|---|---|---|---|
| 1 | | | 1x5=5 |
| | i<br>ii<br>iii<br>iv<br>v | (घ) उपर्युक्त सभी<br>(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।<br>(ग) विशुद्ध व्यावसायिक कला<br>(घ) लोकप्रियता बनने के लिए विज्ञापन का सहारा लेना चाहिए।<br>(घ) क और ख दोनों | 1<br>1<br>1<br>1<br>1 |
| 2 | | | 1x5=5 |
| | i<br>ii<br><br><br>iii<br><br>iv<br><br>v | (क) कथन और कारण दोनों सही हैं<br>(घ) क्योंकि मनुष्य मृत्यु के बाद फिर नया रूप लेकर कार्य करने लगता है।<br><br>(ख) विश्राम-स्थल<br><br>(क) नया<br><br>( ग ) सरिता से | 1<br>1<br><br><br>1<br><br>1<br><br>1 |
| 3 | | | 1x 5=5 |
| | i<br>ii<br>iii<br>iv | (ख) चिमटा<br>(क) बेरोजगारी<br><br>(ग) सूरजछाप<br><br>( घ) जीवन में कभी हार न मानना | 1<br>1<br>1<br><br>1 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | v | (क) नई विवाह विधि की रचना की | 1 |
| 4 | | | 3+3+2+2=10 |
| | i | हामिद ने चिमटे की उपयोगिता को सिद्ध करने के लिए निम्नलिखित तर्क दिए-<br>(क) खिलौने जल्दी नष्ट हो जाते हैं मगर चिमटे का कुछ नहीं बिगड़ेगा। यह चलता रहेगा।<br>(ख) दादी चिमटा देखकर उसको लाखों दुआएँ देगीं। उसे स्नेह से गले से लगा लेगीं और लोगों के पास उसकी तारीफ करेगीं।<br>(ग) गर्मी, सर्दी, बारिश इत्यादि में इसका कुछ नहीं बिगड़ेगा।<br>(घ) चिमटे का प्रयोग कई रूप में हो सकता है। | 3 |
| | ii | गूँगे को देखकर चमेली ने पहली बार यह अनुभव किया कि अगर मनुष्य के गले के अंदर काकल ज़रा-सी भी ठीक न हो तो मनुष्य का अस्तित्व ही नहीं रह जाता है \| उसके लिए यह बहुत बड़ा दु:ख के समान होता है \| वह कितना भी प्रयास कर ले, अपनी भावनाओं को दूसरे से साझा नहीं कर सकता है। | 3 |
| | iii | रामचंद्र ने जब सिद्धेश्वरी से मोहन के बारे में पूछा तो सिद्धेश्वरी को पता नहीं था कि मोहन कहाँ है। फिर भी वह रामचंद्र से मोहन के बारे में झूठ बोलते हुए कहती है कि मोहन किसी लड़के के घर पढ़ने गया है, आता ही होगा। उसने रामचंद्र को यह भी कहा कि उसका दिमाग बहुत तेज़ है और उसका मन सदा पढ़ाई में लगा रहता है। वह हमेशा अपनी पढ़ाई की ही बातें करता रहता है। | 2 |
| | iv. | चाचा ने लाल का पेंसिल से पुस्तक के पहले पन्ने पर लिखा नाम इसलिए मिटा डालना चाहा कि कहीं पुलिसवाले तलाशी लेने आएँ तो उन्हें यह किताब न मिल जाए। इसपर लिखे लाल के नाम से उसका संबंध भी लाल तथा अन्य क्रांतिकारियों के साथ जोड़कर उसे भी ब्रिटिश सरकार का विरोधी जानकर दंड मिल सकता है। | 2 |
| 5 | | | 1x5=5 |
| | i<br>ii<br>iii<br>iv<br>v | ( क) खानाबदोश<br>(क) महेश के साथ<br>(ख ) किसनी के खराब चालचलन के कारण<br>(ख ) किसनी के साबुन से नहाने से<br>(घ) अपनी पत्नी को | 1<br>1<br>1<br>1<br>1 |
| 6 | | | 1x5=5 |
| | i.<br>ii.<br>iii.<br>iv.<br>v. | (घ) निर्गुण काव्यधारा<br>(ग)उपर्युक्त दोनों उत्तर सही हैं<br>(क) पृथ्वी , वायु , जल , अग्नि , आकाश<br>(ग) पवित्र<br>(ख) अंधा और ज्ञानहीन | 1<br>1<br>1<br>1<br>1 |
| 7 | | | 5 |
| | | प्रसंग<br>व्याख्या<br>काव्य -सौन्दर्य | 1<br>3<br>1 |
| 8 | | | 3+3+2+2=10 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | i. | खेल में तो हार-जीत होती रहती है। हर खिलाड़ी कभी न कभी अवश्य हारता है। हारकर यदि वह रूठ जाए; मुँह फुलाकर बैठ जाए और दूसरों को खेलने की बारी न दे तो खेल आगे किस प्रकार चल सकती है। इसलिए खेल में रूठने वाले के साथ उसके सभी साथी खेलना नहीं चाहते हैं। | 3 |
| | ii. | पत्नी की आँखों से कवि को हिम्मत मिलती है, पत्नी की आँखें उन दो हाथों के समान हैं जो प्रत्येक परेशानी में मेरा सहारा बनी हुई हैं और उसे बिखरने-टूटने से बचाती हैं।<br>मगध के माध्यम से 'हस्तक्षेप' कविता में ऐसे तंत्र की ओर इशारा कर रही है जहाँ किसी को किसी भी प्रकार का विरोध करने या अपनी बात कहने का अधिकार नहीं है। विरोध करने वालों को यहाँ राजद्रोही माना जाता है। | 3 |
| | iii. | कवयित्री ने 'आँसू' के लिए 'उजले' विशेषण का प्रयोग इसलिए किया है क्योंक वे मन की सत्य भावनाओं के प्रतीक हैं। अत्यधिक दुख होने पर अथवा बहुत अधिक सुख मिलने पर ये स्वयं ही मनुष्य की आँखों से छलछला आते हैं । | 2 |
| | iv. | कवि ने हिमालय पर्वत पर बादल को देखा। उसे अचानक ध्यान आया कि कालिदास ने 'मेघदूत' काव्य की रचना की थी. जिसमें मेघ का प्रभावशाली वर्णन है। वह मेघ जिसके माध्यम से विरह-व्यथित यक्ष ने अपनी प्रेमिका के पास संदेश भेजा था, उसे कहीं नहीं दिखाई दिया। उसका अनुमान था कि शायद वह कहीं बरस गया होगा। फिर उसने माना कि यह केवल कवि कालिदास की कल्पना थी। | 2 |
| 9 | | | 2+2+3=7 |
| | i. | प्रचार-प्रसार के पुराने तरीकों और वर्तमान तरीकों में काफी अंतर आया है। पहले के दौर में किसी वस्तु का प्रचार-प्रसार के लिए लोग घर-घर जाकर अपनी वस्तु का विज्ञापन किया करते थे \| ढोल-नगाड़े आदि बजाकर उसके विषय में घोषणा किया करते थे \| कई बार नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से भी वस्तु का विज्ञापन जोर-शोर से किया जाता था \| परन्तु, अब के दौर में किसी वस्तु का प्रसार-प्रचार का जिम्मा अख़बार, टेलीविज़न, इंटरनेट, मैगजीन, रेडियो, मोबाइल आदि ने ले लिया है। | 2 |
| | ii. | उनकी गहरी भारतीयता, रंगों का प्रयोग, मानवीय संवेदनाओं का प्रदर्शन, भारतीय संस्कृति, इतिहास और लोक-संस्कृति । | 2 |
| | iii. | शरद के नाना बहुत सख्त थे। उनका मानना था कि बच्चों कार्य बस पढ़ना होना चाहिए। अतः उन्होंने बच्चों को बहुत-सी बातें करने से साफ़ मना किया हुआ था। उसमें तालाब में नहाना, पशु तथा पक्षियों को पालना, बाहर जाकर खेलना, उपवन लगाना, घूमना, पतंग, लट्टू, गिल्ली-डंडा तथा गोली इत्यादि खेल खेलना तक निषिद्ध था। जो उनकी बातें नहीं मानता था, उसे बहुत कठोर दंड दिया जाता था। शरत् स्वभाव से स्वतंत्रतापूर्वक जीने का इच्छुक था। नाना की सख्ती और रोक उसे बंधन लगती थी। वह एक विद्रोही के समान सब बंधनों को तोड़ता था। इसके लिए हिम्मत की आवश्यकता होती है और जो उसमें बहुत थी। | 3 |
| 10 | | | 1x5=5 |
| | i. | जन संचार का अर्थ है एक बड़े समूह या जनसमूह के साथ संवाद करना। | 1 |
| | ii. | अनेक व्यक्तियों की अभिरुचि जिस समयिक बात में हो, वह समाचार है । | 1 |
| | iii. | फ्लैश फारवर्ड तकनीक में आप भविष्य में होने वाली किसी घटना को पहले ही दिखा सकते हैं। | 1 |
| | iv. | सरकारी पत्र का ही एक उपभेद है इसका प्रयोग भी सरकार के कामकाज | 1 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | में होता है । यह कभी-कभी भेजे जाते हैं। जब किसी आवश्यक काम की ओर संबंधित अधिकारी का ध्यान तुरंत आकृष्ट कराना हो, सरकार के किसी आदेश का परिपालन शीघ्रता से कराना हो, किसी विभाग से कोई जानकारी अभिलंब लेना हो तब अर्ध सरकारी पत्र भेजे जाते हैं। | |
| | v. | जब किसी बैठक में किसी विषय के संदर्भ में तैयार कार्यसूची के बिंदुओं पर किया जाने वाला विचार-विमर्श और लिया गये निर्णय की प्रक्रिया को 'कार्यवृत्त' कहा जाता है। | 1 |
| 11 | | | 2+3=5 |
| | i. | सूचना संग्रह एवं प्रसार, सूचना विश्लेषण, शिक्षण,सामाजिक मूल्य एवं ज्ञान का संप्रेषण तथा लोगों का मनोरंजन । | 2 |
| | ii. | विश्वज्ञानकोश उस पुस्तक या रचना को कहते हैं जिसमें विश्व भर की विभिन्न श्रेणियों की ज्ञानवर्धक बातों का समावेश होता है। इसे विश्व के समस्त ज्ञान का भंडार कहा जाता है, क्योंकि इसमें ज्ञान की सभी शाखाओं का सन्निवेश रहता है। | 3 |
| 12 | | | 5x1=5 |
| | | नाटक और फ़िल्म की पटकथा में निम्नलिखित अंतर होते हैं-<br>दृश्य की लंबाई है, नाटक के दृश्य अधिकतर काफी लंबे होते हैं और फिल्मों में दृश्य छोटे-छोटे होते हैं।<br>नाटक में आमतौर पर दृश्यों के लिए सीमित घटनास्थल होते हैं, जबकि फ़िल्म में इसकी कोई सीमा नहीं होती, हर दृश्य किसी नए स्थान पर घटित हो सकता है।<br>नाटक एक सजीव कला माध्यम है, जहाँ अभिनेता अपने ही जैसे जीते-जागते दर्शकों के सामने, अपनी कला को प्रस्तुत करते हैं। जबकि सिनेमा या टेलीविज़न में सबकुछ पहले से ही रिकॉर्डेड छवियाँ एवं ध्वनियाँ होती हैं।<br>नाटक के जितने भी दृश्य होते हैं वे सभी एक ही मंच पर और एक निश्चित समय सिमा के अंदर घटित होते है। जबकि इसके विपरीत फ़िल्म या टेलीविज़न की शूटिंग अलग-अलग सेटों या अलग-अलग जगहों पर दो दिन से लेकर दो साल तक भी की जा सकती है।<br>नाटक में दृश्यों की संरचना और उसमें काम कर रहे पात्रों की संख्या आदि को सीमित रखना पड़ता है, लेकिन सिनेमा या टेलीविज़न में ऐसा कुछ नहीं होता, इनमें पात्रों की संख्या कितनी भी हो सकती है और दृश्य भी अनगिनत हो सकते हैं।<br>नाटक 'लीनियर' होता है, अर्थात नाटक का मंचन एक-रेखीय होता है, जो एक ही दिशा में आगे बढ़ता है। जबकि सिनेमा या टेलीविज़न में फ़लैशबैक या फ़लैश फॉरवर्ड तकनीकों का इस्तेमाल करके आप घटनाक्रम को किसी भी रूप में या किसी भी दिशा में प्रस्तुत कर सकते हैं।<br>अथवा<br>स्ववृत्त में अपना पूरा परिचय, पता, सम्पर्क सूत्र - (टेलीफोन, मोबाइल, ई-मेल आदि), शैक्षणिक व व्यावसायिक योग्यताओं के सिलसिलेवार विवरण के साथ-साथ अन्य संबंधित योग्यताओं,विशेष उपलब्धियों, कार्येत्तर गतिविधियों व अभिरुचियों का उल्लेख। | |
| 13 | | | 2x 4=8 |
| | i. | वह किसी भी परिस्थिति में डरने या घबराने से नहीं डरता है। उसे सच्चाई, न्याय और सिद्धांतों से डर नहीं लगता। वह अपनी जिम्मेदारी को समझने और सच्चाई को बिना किसी डर के स्वीकार करने में सक्षम होता है। | 2 |
| | ii. | "अहिंसा परमो धर्म:" का अर्थ है कि अहिंसा ही सबसे बड़ा धर्म है। किसी भी जीवित प्राणी को नुकसान नहीं पहुँचाना, किसी को चोट न पहुँचाना, किसी को दु:ख न देना और किसी पर भी क्रूरता नहीं करना। | 2 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | iii. | यह भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा, संबंधों को मजबूत करती है, और सकारात्मकता और आत्म-सम्मान को बढ़ाती है,नकारात्मक भावनाओं से मुक्त होने में मदद करती है, सहानुभूति और करुणा से व्यवहार करने के लिए प्रेरित करती है। | 2 |
| | iv. | मेरिया नामक जहाज में बंदी होने पर वे समुद्र में कूद पड़े और तैरकर फ्रांस के तट पर  जा पहुँचे। | 2 |
| | | | |